Literacy for a Billion

Movie: Dulaari
Year: 1949

Song: Suhani Raat Dhal Chuki
Lyricist: Shakeel Badayuni

सुहानी रात ढल चुकी
न जाने तुम कब आओगे
सुहानी रात ढल चुकी
न जाने तुम कब आओगे
जहाँ की रूत बदल चुकी
न जाने तुम कब आओगे
नजारें अपनी मस्तियाँ
दिखा दिखा के सो गये

सितारे अपनी रोशनी
लुटा लुटा के सो गए
हर एक शम्मा जल चुकी
न जाने तुम कब आओगे
सुहानी रात ढल चुकी
न जाने तुम कब आओगे

तड़प रहें हैं हम यहाँ
तुम्हारे इंतजार में
तड़प रहें हैं हम यहाँ
तुम्हारे इंतजार में
फिजा का रंग आ चला है
मौसम-ए-बहार में
फ़िजा का रंग आ चला है
मौसम-ए-बहार में
मौसम-ए-बहार में

हवा भी रूख बदल चुकी
न जाने तुम कब आओगे
सुहानी रात ढल चुकी
न जाने तुम कब आओगे

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.